# 2022
# M.A. 3rd Semester (CBCS) Examination
## Hindi
## Course- PGHD- XI
## भारतीय काव्यशास्त्र

**Full Marks – 40** **Time- 2 Hours**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **2×10= 20**

क. काव्य के स्वरूप का विश्लेषण करते हुए काव्य हेतु के विषय में प्रमुख आचार्यों की अवधारणाओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

"योरप का यह अभिव्यंजनावाद हमारे यहां के पुराने वक्रोक्तिवाद - वक्रोक्तिः काव्य जीवितम् - का ही नया रूप या विलायती उत्थान है।" आचार्य रामचंद्र शुक्ल के इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

ख. 'ध्वनि' की अवधारणा पूर्ववर्ती काव्य सिद्धांतों से भिन्न क्यों है ? विस्तार पूर्वक चर्चा कीजिए।

अथवा

रस की प्रासंगिकता पर विचार करते हुए रसानुभूति की प्रक्रिया में साधारणीकरण के महत्व पर अपना पक्ष प्रस्तुत कीजिए।

**2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :** **3×5=15**

क. ध्वनि सिद्धांत में शब्द-शक्ति के महत्व का प्रतिपादन कीजिए।

ख. काव्य हेतु से संबंधित किन्हीं दो आचार्यों के मतों का विवेचन कीजिए।

ग. आचार्य भरत के 'रस निष्पत्ति' की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।

घ. वक्रोक्ति में 'वक्रता' और 'जीवितम्' किसे कहते हैं ?

ङ. अलंकार सिद्धांत के किन्हीं दो आचार्यों की अवधारणाओं की संक्षेप व्याख्या कीजिए।

**3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **5×1= 5**

क. 'अंगाश्रितास्त्वलंकाराः मन्तव्याः कटकादिवत्।' किसकी उक्ति है ?

ख. काव्य के अध्ययन से 'चतुर्वर्गफलप्राप्ति' को किसने संभव माना है ?

ग. आनंदवर्धन ने 'रीति' के स्थान पर किस शब्द का प्रयोग किया है ?

घ. आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा प्रदत्त काव्य की परिभाषा लिखिए।

ङ. 'शांत रस' को किस आचार्य ने रस के प्रकारों में सम्मिलित किया है ?

2023 (2022)

**M.A. 3rd Semester (CBCS) Examination**

**Hindi**

**Course- PGHD- XII**

**विविध विमर्श और हिंदी साहित्य**

**Full Marks – 40** **Time- 2 Hours**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **2×10= 20**

क. समकालीन हिंदी साहित्य में स्त्री- विमर्शमूलक प्रमुख साहित्य लेखन का परिचय दीजिए।

अथवा

सामाजिक प्रतिबद्धता की दृष्टि से दलित साहित्य का विवेचन कीजिए।

ख. समकालीन हिंदी साहित्य में आदिवासी विमर्श लेखन की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

अथवा

दलित लेखन के संदर्भ में 'मुर्दहिया' की समीक्षा कीजिए।

**2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :** **3×5=15**

क. व्याख्या कीजिए :

"देवता पर चढ़ाई गई / मुरझाने पर मसलकर फेंक दी गई,
जलाई गई। / उसकी राख बिखेर दी गई पूरे गाँव में।"

ख. व्याख्या कीजिए :

"यदि रामायण में राम / तपस्वी-धर्मनिष्ठ ब्राह्मणों का करते क़त्ले-आम।
तुलसीदास मानस में लिखते—
पूजिए सूद्र सील गुन हीना। / विप्र न गुन गुन ग्यान प्रवीना।।
तब, तुम्हारी निष्ठा क्या होती ?"

ग. व्याख्या कीजिए :

"बाबा, तुम कहते थे न - आत्माएँ कभी नहीं मरतीं। इस विराट व्योम में, शून्य में, वे तैरती रहती हैं- परम शान्त हो कर मैं उस शान्ति को छू लेना चाहती हूँ। मैं थक गई हूँ, बाबा। हर शरीर के थकने की अपनी सीमा होती है। मैं जल्दी थक गई, इसमें दोष तो मेरा ही है। तुम दोनों मुझे माफ कर सको तो कर देना।

घ. "पितृसत्ता की विचारधारा ने स्त्री को दोयम दर्जा प्रदान किया।" इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

ङ. दलित साहित्य की धार्मिक एवं सांस्कृतिक मान्यताओं का वर्णन कीजिए।

**3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **5×1= 5**

क. भारत में 'ऑल इंडिया वुमेन कॉंग्रेस' की स्थापना कब की गई ?

ख. 'आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी' कृति के लेखक का नाम लिखिए।

ग. 'उसे वीर चक्र मिला था' किसकी कृति है ?

घ. 'गलत पते की चिट्ठी' नामक कृति का प्रकाशन वर्ष क्या है ?

ङ. 'राम दयाल मुंडा' अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के सलाहकार समिति सदस्य कब बनाए गए ?

2023 (2022)

# M.A. 3rd Semester (CBCS) Examination

## Hindi

## Course- PGHD- XIII

## हिंदी नाटक और रंगमंच

**Full Marks – 40** **Time- 2 Hours**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **2×10= 20**

क. 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक में आधुनिक भारत की शिक्षा व्यवस्था के भ्रष्ट स्वरूप और विविध समस्याओं का वर्णन है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

नाटक के उद्भव एवं विकास पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

ख. 'अंधेर नगरी' नाटक में प्रतिबिम्बित यथार्थ का निरूपण कीजिए।

अथवा

'आषाढ़ का एक दिन' अर्न्तद्वन्द्वों का नाटक है। इसके पात्र परस्पर संवाद बोलते हुए भी आत्मालाप करते हुए दिखायी पड़ते हैं। मानसिक अकेलापन इनकी नियति है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

**2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :** **3×5=15**

क. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

"क्योंकि उसके पास शक्ति थी। व्यवस्था उसकी पीठ थपथपाती थी। शक्ति के कारण तुम्हारी नियति तय करने का उसे अधिकार था। सवाल है उसने तय कर दिया, उस पर तुम चले क्यों नहीं। याद है जब तुमने विरोध की भाषा अपनायी, सत्ता ने तुम्हारे अस्तित्व पर सीधे हमला किया। कभी प्रलोभन देकर कभी आतंक जमाकर इसलिए विरोध मत करो सब विरोध बकवास है। यदि व्यवस्था तुम्हें अपने इशारे पर भौंकनेवाला कुत्ता बनाना चाहती है तो भौंको, कुत्ते के पिल्लों को जन्म दो। चंदू और युधिष्ठिर मत पैदा करो। राजकुमार और दुर्योधन पैदा करो.."

ख. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

"असंख्य कीर्ति-रश्मियाँ विकीर्ण दिव्य दाह-सी।
सपूत मातृभूमि के, रुको न शूर साहसी !
अराति सैन्य सिंधु में —सुवाड़वाग्नि से जलो !
प्रवीर हो जयी बनो — बढ़े चलो, बढ़े चलो !

ग. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

"मैं यद्यपि तुम्हारे जीवन में नहीं रही, परंतु तुम मेरे जीवन में सदा बने रहे हो। मैंने कभी तुम्हें अपने से दूर नहीं होने दिया। तुम रचना करते रहे, और मैं समझती रही कि मैं सार्थक हूँ, मेरे जीवन की भी कुछ उपलब्धि है।"

घ. "रंगमंच की सफलता के लिए लेखन और मंचन दोनों अनिवार्य तत्त्व हैं" इस कथन की प्रामाणिकता सिद्ध कीजिए।

ङ. प्रसाद के नाट्य-कला की विशिष्टताओं का वर्णन कीजिए।

**5×1= 5**

**3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :**

क. 'हिंदी रंगकर्म : दशा और दिशा' कृति के लेखक कौन हैं ?

ख. "महाराज महाराज ! मैंने तो कोई कसूर नहीं किया, मैं तो शहर के इंतजाम वास्ते जाता था।" यह संवाद अंधेर नगरी के किस दृश्य का है ?

ग. भारतेंदु कृत 'विषस्य विषमौषधम्' नाटक का प्रकाशन वर्ष लिखिए ?

घ. जयशंकर प्रसाद कृत 'जनमेजय का नाग-यज्ञ' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।

ङ. नाटक के संदर्भ में 'पताका' से क्या तात्पर्य है ?

---

# 2022
# M.A. 3rd Semester (CBCS) Examination
## Hindi
## Course- PGHD- XIV
## हिंदी कथेतर साहित्य

**Full Marks – 40** **Time- 2 Hours**

**1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** **2×10= 20**

क. 'मेरे राम का मुकुट भींग रहा है' निबंध में शास्त्र-संपदा, लोकसंस्कृति व लोकाचार का स्वाभाविक सम्मिलन हो गया है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था' निबंध के वैचारिक परिप्रेक्ष्य का विश्लेषण कीजिए।

ख. पठित निबंधों के आधार पर आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध-कला की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

पठित व्यंग्य निबंधों के माध्यम से हरिशंकर परसाई के सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण का विश्लेषण कीजिए।

**2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए :**

क. व्याख्या कीजिए : **3×5=15**

"इस अनुभूति-योग के अभ्यास से हमारे मनोविकारों का परिष्कार तथा शेष सृष्टि के साथ हमारे रागात्मक सम्बन्ध की रक्षा और निर्वाह होता है। जिस प्रकार जगत अनेक- रूपात्मक है उसी प्रकार हमारा हृदय भी अनेक-भावात्मक है। इन अनेक भावों का व्यायाम और परिष्कार तभी समझा जा सकता है जबकि इन सबका प्रकृत सामंजस्य जगत के भिन्न-भिन्न रूपों, व्यापारों या तथ्यों के साथ हो जाए"

ख. यात्रा साहित्य के तत्त्वों के आधार पर 'ब्रेख्त और एक उदास नगर' की समीक्षा कीजिए।

ग. संस्मरण के तत्वों के आधार पर 'सुभद्रा कुमारी चौहान' की समीक्षा कीजिए।

घ. व्याख्या कीजिए :

"मन फिर घूम गया कौसल्या की ओर, लाखों-करोंड़ों कौसल्याओं की ओर, और लाखों करोड़ों कौसल्याओं के द्वारा मुखरित एक अनाम-अरूप कौसल्या की ओर, इन सबके

राम वन में निर्वासित हैं, पर क्या बात है कि मुकुट अभी भी उनके माथे पर बँधा है और उसी के भीगने की इतनी चिंता है?"

ङ. जीवनी साहित्य विधा के तत्त्वों के आधार पर 'आवारा मसीहा' की समीक्षा कीजिए।

**3. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए :** **5×1= 5**

क. "नहि कवेरितिवृत्तमात्रनिर्वाहेणात्मपदलाभ:।" आनंदवर्धन की इस उक्ति का अर्थ लिखिए।

ख. निर्मल वर्मा के संस्मरणों में उल्लिखित 'लुडविग बिथोवन' किस विधा के लिए जाने जाते हैं ?

ग. 'क्या भूलूं क्या याद करूं' के लिए हरिवंश राय बच्चन को कौन सा सम्मान मिला था।

घ. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल जी द्वारा बांग्ला से हिंदी अनूदित उपन्यास का नाम लिखिए ?

ङ. 'कालिदास की लालित्य योजना' कृति के लेखक कौन हैं ?

च. 'तुम चंदन हम पानी' का प्रकाशन वर्ष लिखिए।